**Seventeenth Loksabha**

>

Title: Regarding the issue of retirement of Road Transport Corporation (RTC) employees in Telangana.

**श्री अरविंद धर्मापुरी (निजामाबाद):** अध्यक्ष जी, बहुत-बहुत धन्यवाद । मैं एक गम्भीर और विचित्र विषय इस सदन के सामने रखना चाहता हूं । तेलंगाना में पिछले दो महीने से आरटीसी के 49 हजार इम्प्लॉयी स्ट्राइक पर थे । उस स्ट्राइक को कॉल-ऑफ किया गया । लेकिन इन दो महीनों में चीफ मिनिस्टर साहब ने तीन-चार बार केबिनेट मीटिंग बुलाकर डिस्ट्रेसफुल स्टेटमेंट दिए, जिसकी वजह से 38 लोगों की मौत हो गयी । इन लोगों ने या तो आत्महत्या की है या डिस्ट्रेस की वजह से हार्ट अटैक आने से इनकी मौत हुई है । दो महीनों के बाद मुख्य मंत्री जी ने एकदम से यू-टर्न लिया और पिछले दो महीनों के दौरान जो वह कह रहे थे कि आरटीसी अब इतिहास है, पांच हजार करोड़ रुपये का इसमें घाटा होता है, हर साल एक हजार करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है और इसका हम बर्डन नहीं ले सकते हैं । जब कोर्ट ने कहा कि आप केवल 47 करोड़ रुपये दे दीजिए ताकि आरटीसी चले, उस समय उन्होंने बिलकुल मना कर दिया कि आरटीसी अभी घाटे में है और हम नहीं चला सकते हैं । इस तरह की स्टेटमेंट की वजह से, और उन्होंने यह भी कहा कि 49 हजार इम्प्लॉयी सेल्फ डिसमिस हो गए हैं । सेल्फ डिसमिस कांस्टीट्यूशन में कहां है, यह किसी को पता नहीं है । एकदम से यू-टर्न लेकर और उनको दावत पर बुलाकर कहते हैं कि मैं हजार करोड़ रुपये दूंगा, हर साल हजार करोड़ रुपये दूंगा, आरटीसी को प्रोफिट में लाऊंगा और इम्प्लॉयी के बच्चों की फीस का रीएम्बर्समेंट दूंगा और प्रोविडेंट फण्ड के एरियर्स दूंगा । अगर यह सब करना था तो 40-50 दिन पहले कर देते, इससे 38 लोगों की जान बच सकती थी । अब इसकी जिम्मेदारी किसकी है? इन्होंने एकदम से यू-टर्न ऐसे कैसे ले लिया? इसी तरह से मार्च और अप्रैल में इंटरमीडिएट के 21 बच्चों ने आत्महत्या कर ली । उसका कारण यह है कि ग्लोबरीना कम्पनी को इंटरमीडिएट की आंसरशीट का वैल्युएशन करने का काम दिया गया, जिनको इसका कोई एक्सपीरियंस नहीं है । जो डिस्टिंक्श

स्टूडेंट्स हैं, उनको जीरो दिया गया, फेल कर दिया गया है । सर, यह बहुत ही इम्पोर्टेंट है ।

**माननीय अध्यक्ष :** आप एक साथ दो विषय मत लीजिए । आप एक ही विषय लीजिए ।

**श्री अरविंद धर्मापुरी:** महोदय, इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? वे रिवैल्यूएशन के लिए गए, तो उनको नाइंटी प्लस मार्क्स मिले हैं । तब तक वे आत्महत्या कर चुके थे ।...(व्यवधान) उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?...(व्यवधान) मुख्य मंत्री जी को छः साल हो गए हैं, वह आफिस नहीं जाते हैं । महाशय जी को कौन बताए कि आफिस तो जाइए और थोड़ा रिव्यू करिए । वह छः सालों से सचिवालय नहीं जा रहे हैं । महिलाओं की जान जा रही है । आपने देखा है कि पिछले तीन-चार दिनों में हैदराबाद में क्या हुआ है ।...(व्यवधान)